डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

प्रेस समाचार (निःशुल्क प्रकाशनार्थ)

अर्थशास्त्र एवम् ग्रामीण विकास विभाग तथा व्यावसायिक प्रबन्धन एंव उद्यमिता विकास विभाग(एम.बी.ए.) एंव वाणिज्य कर विभाग फैजाबाद के तत्वाधान में डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद में **"भारतीय अर्थव्यवस्था में वस्तु एंव सेवा कर (जी0एस0टी0) के निहितार्थ एंव भविष्य में इसकी संभावनाऐं विषयक"**, एक दिवसीय क्षैश कार्यशाला एंव जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 22 दिसम्बर, 2017 को पूर्वान्ह 11:00 बजें **सन्त कबीर सभागार विश्वविद्यालय परिसर में** आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का शुभारम्भ **मुख्य अतिथि डॉ0 अनिल कुमार पाठक जिलाधिकारी फैजाबाद** द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एंव दीप प्रज्ज्वलन्न के साथ किया गया।

अर्थशास्त्र एंव ग्रामीण विकास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने गोष्ठी का संचालन करते हुए कहा कि जी0एस0टी0 में व्याप्त भ्रॉंतियों के निराकरण के लिए एक दिवसीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। उन्होने कहा की शैक्षिणिक व टेक्नालॉजी दोनो स्तरो पर जी0एस0टी0 को समझने की जरूरत है। भारत सरकार के कोष में जब धनराशि एकत्रित होगी तभी देश का विकास होगा और अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। **प्रो0 आर. एन. रॉय** ने अपने व्याख्यान में वस्तु एंव सेवा कर के भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में पडने वाले प्रभावों के बारे मे बहुत ही अच्छे तरीके से उस पर प्रकाश डाला। **प्रो0 आशुतोष सिन्हा** ने जी0एस0टी0 की विषय वस्तु पर अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया और यह बताया कि लोक अर्थशास्त्र प्रणाली अति आवश्यक रही है। एम.बी.ए. डिपार्टमेन्ट के **प्रो0 हिमान्शु शेखर सिंह** ने वस्तु एंव सेवा कर से होने वाले विभिन्न लाभों से लोगों को अवगत कराया और यह बताया कि इस कर के द्वारा सरकार की आय में वृद्धि होगी और आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

संयुक्त वाणिज्य कर आयुक्त लखनऊ, श्री संजय पाठक ने उपलब्ध जन समूह को जी0एस0टी0 से सम्बन्धित तकनीकी कार्यप्रणाली के बारे में अपने विचार को व्यक्त किया और उन्होने यह बताया कि हमारे व्यपारीगण कैसे कर रिर्टन दाखिल कर सकते है और कर सुधार की इस प्रणाली द्वारा लोगों को रोजगार की सुविधा उपलब्ध हो सकती है। उन्होने यह बताया की सरकार निरन्तर जी0एस0टी0 को और भी उदार बना रही है।

अपर वाणिज्य कर आयुक्त श्री राजीव मणि त्रिपाठी ने उपस्थित जन मानस को वस्तु एंव सेवा कर के विभिन्न आयामों को बहुत ही अच्छे तरीके से विश्लेषित करते हुए समझाया और उन्होने यह बताया कि भारत सरकार ने आजादी के बाद का यह सबसे बडा कर सुधार किया है। जो कि 1 जुलाई 2017 से लागू हो गई हैं। जी0एस0टी0 अप्रत्यक्ष कर प्रणाली की एक ऐसी परिवर्धित प्रणाली हैं जिनसे व्यपारियों, कृषको, उत्पादकों एंव उपभोक्ताओं सब को आने वाले समयो में लाभ मिलेगा और इसके प्रभाव का आगामी परिणाम अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा।

अपने भाषण में जिलाधिकारी **डॉ0 अनिल कुमार पाठक** ने भारतीय अर्थव्यवस्था के परिपेक्ष में वस्तु एंव सेवा कर के औचित्य को बताया और यह बताया कि जी0एस0टी0 लोक अर्थशास्त्र की एक ऐसी विद्या है जो की वर्तमान कर प्रणाली प्रदान करेगी क्योंकि सरकार द्वारा लोगों के लिए जी0एस0टी0 को सुविधा जनक बनाने हेतू निर्धारित दरों में अपेक्षित परिवर्तन किया जा रहा हैं। जो कि क्रमशः 28,18,12,5,0 के रूप में है। उन्होने ने बताया कि हमें कर सुधार की इस विधा मे अपना भरपूर सहयोग करना चाहिए ताकि लोक कल्याण कारी कार्यो में वृद्धिं हो सके। वाणिज्य कर के विभाग अधिकारियों व सलहाकारो ने अपने उद्‌बोधन में जी0एस0टी0 के द्वारा व्यवसायियों एंव उद्यमकर्ताओं को होने वाले लाभ के सन्दर्भ में विवेचन प्रस्तुत किया गया और यह बताया कि हमे अपने व्यवसाय से सम्बन्धित आय एंव व्यय के लेखाजोखा को दुरूस्त करना होगा। तभी हम जी0एस0टी0 से प्राप्त होन वाले लाभों को समुचित रूप से प्राप्त कर सकते हैं।

अर्थशास्त्र एंव ग्रामीण विकास विभाग के डॉ0 प्रदीप कुमार त्रिपाठी, डॉ0 अल्का श्रीवास्तव, डॉ0 सरिवा देवी, पल्लवी सोनी, सरिता द्विवेदी, रिमा सिंह ने भी जी0एस0टी0 के वर्तमान आवश्यकता पर अपने विचार रखें। जी0एस0टी0 विषयक उक्त कार्यशाला एंव जागरूकता कार्यक्रम का संचालन डॉ0 विनोद कुमार श्रीवास्तव विभागाध्क्ष अर्थशास्त्र एंव ग्रामीण विकास विभाग ने किया। अपने उद्‌बोधन में डॉ0 श्रीवास्तव ने वाणिज्य विभाग से आए हुए विभिन्न विशेषज्ञो के समझ जी0एस0टी0 से सम्बन्धित विभिन्न आयामों एंव इसके स्वरूप से सम्बन्धित प्रश्नगत बिन्दु रखे जिसमें प्रमुख रूप से रिर्टन भरने की पद्धति एंव उपभोक्ताओं का हित संरक्षण रहा, साथ ही अधिकारियों द्वारा समुचित निरूपित उत्तर प्रदान किया गया जिसमें इस कार्यशाला में उपस्थित लोगों को बहुत ही लाभ प्राप्त हुआ। भारतीय अर्थव्यवस्था में भविष्य की संभावनाओं को लेकर वाणिज्य कर विभाग, अर्थशास्त्र एंव ग्रामीण विकास विभाग के साथ व्यवसाय प्रबन्धन एंव उघमिता विभाग के सयुंक्त प्रयास से वस्तु एंव आय कर की विभिन्न जानकारियों और समस्याओं के निदान के लिए यह गोष्ठी बहुत ही महत्वपूर्ण रही। गोष्ठी के अन्त में वाणिज्य कर विभाग के अधिकारियों व सलाहकारो के बीच व्यपारियों व छात्र–छात्राओं से जी0एस0टी0 की जुडी समस्याओं का निराकरण भी सवाल–जबाब के माघ्यम से किया गया।

इस कार्यशाला में प्रो0 राजीव गौड, डॉ0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ0 विनय मिश्रा, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 राजेश कुशवाह, डॉ0 अनिल विश्वा, डॉ0 आर.एन. पाण्डेय, डॉ0 व्रिजेश कुमार यादव, डॉ0 आर. के. सिंह, डॉ0 वन्दना रंजन, कार्यपरिषद के सदस्य ओम प्रकाश सिंह के साथ परिसर के बडी संख्या मे आर्चय, उपाचार्य, प्रवक्तागण, शोध छात्र–छात्राओं के साथ व्यापारी, उघमकर्ता, कर्मचारी एव स्रोतागण उपस्थित रहें।

(विनोद कुमार श्रीवास्तव)
विभागाध्यक्ष
अर्थशास्त्र एंव ग्रामीण विकास विभाग।

नोटः– कृपया कार्यक्रम से सम्बन्धित फोटोग्राफ गोयल स्टूडियो से प्राप्त करने का कष्ट करें।